ब्रह्मकुमारीज सुख शांति भवन में वैश्विक शिखर सम्मेलन...

भारत की पहचान अपनी गुरूत्व शक्ति : डॉ. यादव

भोपाल(काप्र)।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि भारत गुरूत्व शक्ति के आधार पर दुनिया में अपनी पहचान बनाना चाहता रहा है और ऐसा संभव भी हुआ है। भारत की विश्व गुरू बनने की कामना पूरी होकर रहेगी। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि पूरी दुनिया में कोई ऐसा देश नहीं है, जिसने ताकत बढ़ने से अपने पड़ोसी देश को नहीं सताया हो, किसी पर कब्जा नहीं किया हो।

जब भी किसी देश की ताकत बढ़ती है तो उसका सदुपयोग या दुरुपयोग किया जाता है, लेकिन दुनिया में भारत एकमात्र ऐसा देश है जिसने कभी किसी पर आक्रमण नहीं किया, किसी को सताया नहीं, किसी को लूटा नहीं। हमारे ग्रंथों में लिखा है सर्वे भवन्तु सुखिनः सर्वे संतु निरामया। हमने तो विश्व के सुख की कामना की है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव शनिवार शाम नीलबड़ स्थित ब्रह्मकुमारीज सुख शांति भवन में वैश्विक शिखर सम्मेलन को संबोधित कर रहे थे।

शिखर सम्मेलन आध्यात्मिकता द्वारा स्वस्थ और स्वच्छ समाज विषय पर केंद्रित था जिसमें संस्था के अनुयायी और नागरिकगण बड़ी संख्या में शामिल हुए। इस अवसर पर विधायक श्री रामेश्वर शर्मा, भोपाल महापौर श्रीमती मालती राय और विधान सभा के प्रमुख सचिव

अवधेश प्रताप सिंह उपस्थित थे। डॉ. यादव का तिलक लगाकर, अंगवस्त्रम् भेंट कर अभिनंदन किया गया और उन्हें भगवान श्री कृष्ण की तस्वीर भेंट की गई। डॉ. यादव ने कहा कि विश्व में शांति, सह-अस्तित्व, विकास और सभी प्रकार के मानवोचित भाव को जागृत करने के लिए द्वितीय विश्व युद्ध के बाद संयुक्त राष्ट्र संघ को एक मंच के रूप में स्थापित किया गया। यह सत्य है कि यह मंच पिछली सदी में बना लेकिन भारत में आदिकाल से एक गुरूत्व शक्ति रही है। इससे ही भारत की पहचान है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि हमारे इसी जीवन की सारी तपस्या और साधना अंततः हमारे शरीर के साथ आई और शरीर के साथ जाएगी। भगवान श्रीकृष्ण ने 5 हजार साल पहले गीता में यही कहा है।

डॉ. यादव ने कहा कि जो इस शरीर में है वही ब्रह्माण्ड में है। कहा भी गया है यत् पिण्डे तत् ब्रह्माण्डे। आज मानव शरीर की किसी विकृति को दूर करने के लिए चिकित्सा विज्ञान भी मानव शरीर से ही अवयव प्राप्त करता है। अस्पतालों में बैंक बनाकर गर्भ नाल और अन्य मानव अंग सुरक्षित रखे जा रहे हैं, जो शल्य चिकित्सा और प्रत्यारोपण के माध्यम से जीवन देने का कार्य करते हैं। मुख्यमंत्री डॉ.यादव ने संस्था द्वारा वैश्विक शिखर सम्मेलन के आयोजन की प्रशंसा की। आध्यात्मिक आयोजन के प्रारंभ में मुख्यमंत्री डॉ. यादव का सुख सागर भवन, नीलबड़ की निर्देशिका नीता दीदी ने स्वागत किया। नई दिल्ली से आईं ज्यूरिस्ट विंग की चेयरपर्सन राजयोगिनी पुष्पा दीदी ने भी संबोधित किया। पुष्पा दीदी ने कहा कि कुछ लोग सोचते हैं कि समस्याओं का कोई समाधान नहीं है, परमात्मा सुनता ही नहीं है, जबकि परमात्मा हर जगह विद्यमान है। आध्यात्मिकता से जीवन में शक्ति प्राप्त होती है, समाज में जागृति आती है। एक दीपक से दूसरा दीपक जग जाता है और सहज हो जाता है। आज जीवन को सुख- शांति मय बनाने का प्रयास प्रत्येक व्यक्ति करे तो संसार सुखमय हो जाएगा। संस्था के माउंट आबू स्थित मुख्यालय से जयंती दीदी ने वीडियो संदेश द्वारा डॉ. यादव का अभिनंदन करते हुए कार्यक्रम के लिए बधाई दी। कार्यक्रम का संचालन बी. के. राम कुमार ने किया।

मुख्यमंत्री के निर्देश पर इंजीनियर्स को किया निलंबित

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के निर्देश पर राष्ट्रीय राजमार्ग क्रमांक-30 कटनी बॉयपास मार्ग पर स्व. माधव राव सिंधिया जी की मूर्ति को बगैर अनुमति के स्थानांतरित करने पर प्रशासन द्वारा सख्त कार्रवाई की गयी है। निर्माण एजेंसियों के इंजीनियर्स को निलंबित कर दिया गया है। परियोजना निदेशक भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण कटनी आनंद प्रसाद ने बताया कि राष्ट्रीय राजमार्ग क्रमांक-30 कटनी-बायपास मार्ग का निर्माण कार्य प्रगति पर है। इसमें चाका जंक्शन का विकास कार्य प्रस्तावित है। यहाँ पर स्व. माधव राव सिंधिया जी की मूर्ति पूर्व से स्थापित थी। विकास कार्य के लिये प्रतिमा को स्थानांतरित करने के लिये प्रशासन द्वारा अनुमति प्राप्त कर नये चिन्हित स्थान पर स्थापित की जानी थी। निर्माणकर्ता एजेंसी द्वारा बगैर अनुमति के प्रतिमा स्थानांतरण की जानकारी प्राप्त होने पर जिम्मेदार अधिकारियों के विरुद्ध मुख्यमंत्री डॉ. यादव के निर्देश पर सख्त कार्रवाई की गयी है। प्रशासन द्वारा निर्माण कार्य एजेंसी के सीनियर इंजीनियर मनोज वर्मा, इंजीनियर आशीष सिंह परिहार, भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण के प्राधिकरण अभियंता, टीम लीडर राजेश कुमार नेमा सहायक ब्रिज इंजीनियर दीपक सोनी को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया गया है।

धार में 108 मोटराइज्ड ट्राइसिकल वितरित

भोपाल(काप्र)। राज्यपाल श्री मंगुभाई पटेल और मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने धार में शुक्रवार को जनजातीय गौरव दिवस पर दिव्यांग जनों के जीवन को सरल और आत्मनिर्भर बनाने के लिये 108 मोटराइज्ड ट्राइसिकल का वितरण किया। यह ट्राइसिकल बैटरी से चलती हैं और दिव्यांग व्यक्तियों को स्वतंत्रता और गतिशीलता प्रदान करती है। इस पहल ने उनके जीवन में नई ऊर्जा और उत्साह भर दिया है। लाभार्थियों ने जब मोटराइज्ड ट्राइसिकल प्राप्त की, तो उनके चेहरे पर मुस्कान देखने लायक थी। यह ट्राइसिकल न केवल उनके आवागमन को सुविधाजनक बनाएगी, बल्कि उनके कार्यक्षेत्र और रोजमर्रा की गतिविधियों को भी सहज बनाएगी। मोटराइज्ड ट्राइसिकल पाकर लाभार्थी बेहद उत्साहित नजर आए। लाभार्थी श्री प्रेमचन्द हों या श्री देवी सिंह अथवा श्रीमती संगीता, कोई व्यवसाय करता है कोई नौकरी सभी ने कहा, पहले हर जगह जाने के लिए दूसरों पर निर्भर रहना पड़ता था। अब इस ट्राइसिकल के माध्यम से हम खुद से व्यवसाय और नौकरी कर पाएँगे। ये हमारे लिए किसी आशीर्वाद से कम नहीं है साथ ही हमारे आत्मविश्वास को बढ़ाने वाला है। मोटराइज्ड ट्राइसिकल आधुनिक बैटरी तकनीक और आरामदायक डिजाइन से लैस है। इसे दिव्यांग व्यक्तियों की आवश्यकताओं को ध्यान में रखकर तैयार किया गया है। यह वाहन लंबी दूरी तय करने में सक्षम है और ऊर्जा दक्षता के मामले में भी बेहतर है। इस पहल को प्रशासन और भारतीय कृत्रिम अंग उपकरण निर्माण निगम लिमिटेड कानपुर शाखा उज्जैन ने मिलकर अंजाम दिया।यह ट्राइसिकल न केवल दिव्यांग जनों को सुविधा प्रदान करेगी, बल्कि उन्हें समाज में आत्मनिर्भर और सशक्त बनाएगी। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव का दिव्यांग जनों ने इस पहल के लिए आभार व्यक्त करते हुए कहा कि यह ट्राइसिकल उनकी जिंदगी को एक नई दिशा देगी। उनके आत्मसम्मान और आत्मनिर्भरता में वृद्धि होगी और वे समाज में अपनी भूमिका को बेहतर ढंग से निभा सकेंगे।

तालाबों का सौंदर्यीकरण कर बनाएंगे पर्यटन स्थल : डॉ. यादव

भोपाल(काप्र)।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि प्रदेश के नगरीय निकायों में मौजूद तालाबों का सौंदर्यीकरण किया जायेगा। उन्होंने कहा कि तालाबों को पर्यटन स्थलों के रूप में भी विकसित करेंगे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव की मंशानुरूप नगरीय विकास एवं आवास विभाग नगरीय क्षेत्रों की झीलों एवं तालाबों के सौंदर्यीकरण के लिये संरक्षण एवं संवर्धन का कार्य कर रहा है।

प्रदेश के 41 नगरीय निकायों में 48 तालाबों की योजनाओं पर 104 करोड़ 46 लाख रुपये की स्वीकृति प्रदान की जा चुकी है। झीलों एवं तालाबों के सौंदर्यीकरण के साथ पर्यटन स्थल के रूप में विकसित करने के लिये चयनित झीलों एवं तालाबों के संरक्षण और सतही पेयजल स्त्रोत निर्मित होंगे। अब तक 28 तालाबों के कार्य पूरे किये जा चुके हैं, शेष 20 तालाबों के कार्य प्रगति पर हैं। जल-संरक्षण और संवर्धन की यह योजनाएँ राज्य शासन के दिये जाने वाले अनुदान और निकाय के वित्तीय अंश से संचालित की जा रही हैं। नगरीय निकायों ने जिन तालाबों और झीलों के संरक्षण के कार्य चयनित किये हैं, उनमें प्रमुख रूप से भूमि के कटाव को रोकने संबंधी कार्य, झीलों एवं तालाबों के आसपास बाउण्ड्री बनाना, सघन वृक्षारोपण, लॉन विकसित करना और सौंदर्यीकरण के लिये लैम्प तथा फव्वारों की स्थापना करना प्रमुख है। इसी के साथ अपशिष्ट जल को रोकने, जल-शोधन के लिये रूट-झोन ट्रीटमेंट मैनेजमेंट और सीवर पाइप लाइन द्वारा अपशिष्ट जल को रोकने के लिये निकायों द्वारा ठोस प्रयास किये जा रहे हैं। ये सभी कार्य झीलों एवं तालाबों के किनारे से 100 मीटर की दूरी के अंदर ही प्रस्तावित किये गये हैं। जिन नगरीय निकायों में यह कार्य स्वीकृत किये गये हैं, उनमें नगर निगम द्वारा कुल स्वीकृत राशि में 40 प्रतिशत, नगरपालिका द्वारा 25 प्रतिशत और नगर परिषद द्वारा 10 प्रतिशत की राशि वित्तीय अंशदान के रूप में दी जा रही है। नगरीय विकास विभाग ने वर्ष 2025-26 से अगले 3 वर्षों में 50 करोड़ रुपये के और कार्य विभाग के बजट प्रावधान में किये जाने के लिये प्रस्तावित किये हैं।

सिक्ख बंधुओं को मुख्यमंत्री निवास में किया आमंत्रित

रविवार को मुख्यमंत्री निवास में मनाया जाएगा प्रकाश पर्व

भोपाल(काप्र)। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने गुरु नानक देव के 555वें प्रकाश पर्व (जयंती) के उपलक्ष में मुख्यमंत्री निवास में समारोह का आयोजन किया है। मुख्यमंत्री निवास में 17 नवंबर को आयोजित समारोह में मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने प्रदेश के सिक्ख समुदाय को आमंत्रित किया है। मुख्यमंत्री निवास परिसर में रविवार की शाम आयोजित प्रकाश पर्व की शुरुआत गुरबाणी के साथ होगी। उसके बाद पूजा पाठ एवं लंगर के रूप में प्रसादी का आयोजन रखा गया है।

हिनौती गौधाम में प्रशासनिक भवन-गेस्ट हाउस का शुक्ल ने किया भूमि-पूजन

भोपाल(काप्र)। उप मुख्यमंत्री श्री राजेन्द्र शुक्ल ने कहा है कि हिनौती गौधाम आत्मनिर्भर व अन्य गौ-शालाओं के लिए उदाहरण प्रस्तुत करने वाला गौ-वंश वन्य विहार बनेगा। यहां गौवंशों का संरक्षण होगा तथा गाय के गोबर व मूत्र से बनने वाले उत्पाद निर्मित होंगे।

उन्होंने कहा कि आगामी 2 माह में हिनौती गौधाम में लगभग 20 करोड़ रूपये की लागत से विभिन्न निर्माण एवं विस्तार के कार्य प्रारंभ हो जायेंगे। उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल ने गौधाम में 77 लाख रूपये की लागत से प्रथम चरण में बनाये जाने वाले प्रशासनिक भवन/गेस्ट हाउस का भूमि-पूजन किया। उप मुख्यमंत्री ने गौधाम में प्रशासनिक एवं वन विभाग के अधिकारियों की बैठक लेकर गौधाम विस्तार के लिए कराये जाने वाले विभिन्न निर्माण कार्यों की कार्य-योजना का अवलोकन किया तथा अधिकारियों को आवश्यक दिशा निर्देश दिये। उन्होंने कहा कि आगामी 3 माह में गेस्ट हाउस का निर्माण कार्य पूर्ण करा लिया जाएं। प्रथम चरण में गौधाम की 100 एकड़ भूमि में वायर-फेंसिंग का कार्य कराते हुए शेड निर्माण के कार्य प्रारंभ कराये जाएं। उन्होंने कहा कि दूसरे चरण में भी 100 एकड़ भूमि गौशाला के लिए उपलब्ध होगी। गौ-वंश के लिए चरनोई भूमि तथा पानी की आवश्यकता भी सुनिश्चित करायी जा रही है। उन्होंने गौधाम का मुख्य गेट बनाने तथा गौधाम तक पहुंच मार्ग दुरूस्त करने के साथ ही आंतरिक रास्ते का निर्माण कराने के निर्देश को दिये। उन्होंने कहा कि गौधाम में हाई-मास्क लाइट लगाई जाए।

जनजातीय गौरव दिवस पर हुए ऐतिहासिक आयोजन पर दी बधाई

पीएचई मंत्री श्रीमती उईके ने भी किया नृत्य

भोपाल(काप्र)। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने भगवान बिरसा मुंडा की 150वीं जयंती पर मंडला में जनजातीय गौरव दिवस के ऐतिहासिक आयोजन पर बधाई और शुभकामनाएं दी।

उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय अस्मिता के लिये जनजातीय नायकों ने हमेशा आगे बढ़कर नेतृत्व करने के साथ अपना सर्वस्व राष्ट्र के नाम अर्पित किया। मध्यप्रदेश में इसके अनेकों उदाहरण मौजूद हैं। मंडला के सेमरखापा एकलव्य आदर्श आवासीय विद्यालय में 1521 स्थानीय जनजातीय कलाकारों, छात्र-छात्राओं, जन-प्रतिनिधियों, अधिकारियों और कर्मचारियों ने एक साथ सामूहिक सैला लोकनृत्य की आकर्षक और मनोहारी प्रस्तुति देकर समारोह को भव्यता प्रदान की। यह अब तक ज्ञात जानकारी अनुसार रिकॉर्डेड लोगों द्वारा दी गई सामुहिक नृत्य प्रस्तुति रही। इस ऐतिहासिक अवसर पर लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी मंत्री श्रीमती संपतिया उईके ने भी जनजातीय बंधुओं के साथ लोकनृत्य कर उनकी हौसला- अफजाई की। जनजातीय गौरव दिवस पर आयोजित समारोह में मंत्री श्रीमती उईके ने जनजातीय संस्कृति और परंपराओं को सजीव करते हुए प्रसिद्ध लोकगीत तरना मोर न नाना-नानी पर आकर्षक नृत्य किया। कलेक्टर मंडला श्री सोमेश मिश्रा ने मांदर पर थाप दी। जन-प्रतिनिधियों और अधिकारियों ने स्वतःस्फूर्त भागीदारी की। उपस्थित जनसमूह ने भगवान बिरसा मुंडा अमर रहें और जनजातीय गौरव संस्कृति अमर रहे जैसे नारों से वातावरण को गुंजायमान कर दिया। सैला नृत्य भारतीय जनजातीय समाज का एक प्रमुख लोक नृत्य है, जिसे मध्यप्रदेश, छत्तीसगढ़ और झारखंड राज्यों की जनजातियाँ उत्सव और सामूहिक आनंद के अवसर पर करती हैं। सैला नृत्य जनजातियों के सामूहिक जीवन को दर्शाता है। इसमें सामूहिक ताल-बद्धता और समन्वय की एकरूपता प्रदर्शित होती है। यह नृत्य उल्लास को तो प्रकट करता ही है, साथ ही प्रकृति और देवी-देवताओं के प्रति कृतज्ञता प्रकट करता है।

इस नृत्य का आयोजन प्रायः फसल कटाई के बाद किया जाता है। यह नृत्य खुशी और उत्साह से भरपूर होता है, जो जनजातीय जीवन की सरलता को प्रदर्शित करता है। सैला नृत्य जनजातीय संस्कृति, परंपराओं और मूल्यों को पीढ़ी-दर-पीढ़ी संरक्षित और स्थानांतरित करने का माध्यम है। सैला नृत्य जनजातीय समाज की सामूहिकता, सांस्कृतिक पहचान और प्राकृतिक जीवन के साथ उनके गहरे आत्मीय संबंधों का प्रतीक है। इस नृत्य में नर्तक वृत्ताकार स्वरूप में एक-दूसरे के कंधे पकड़कर संगठित रूप से कदमताल करते हैं।